फोटो क्रेडिट © ऐ. ग्रेग्स्ट्रम, नासा

अक्टूबर 1958 में राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइज़नहावर ने द नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एजेंसी (नासा) का सृजन किया। इस कदम के पीछे आंशिक तौर पर बाहरी अंतरिक्ष की खोज में सोवियत संघ से पीछे छूट जाने की आशंका भी थी। नासा ने अपने पूर्ववर्ती संगठन नेशनल एडवायज़री कमेटी फ़ॉर एयरॉनॉटिक्स के 8000 कर्मचारियों और उसके लक्ष्यों को भी अपने साथ लिया। इसे नागरिक मानवीय, उपग्रह और रोबोटिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी दी गई। उस समय नासा का वार्षिक बजट 10 करोड़ डॉलर था। 2005 में इसकी कुल संचालन लागत 15.1 अरब डॉलर रही।

दस दिसम्बर 1958 को नई दिल्ली में फ़िरोज़शाह कोटला मैदान में अमेरिकी लघु उद्योग प्रदर्शनी में भारतीय कारीगरों ने हीरे की ही तरह आसानी से कांच काटने वाले अमेरिकी इम्पैक्ट ग्राइंडरों पर हाथ अजमाया और धातु की ''कताई'' की। छोटे व्यवसायों के लिए नई मशीनरी का महत्व प्रदर्शित करने वाली यह प्रदर्शनी महीने भर चली। यह अमेरिकी उत्पादकों और अमेरिकी सरकार के साझे प्रयास की परिणति थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए राजदूत एल्सवर्थ बंकर ने कहा, ''हमने अमेरिका में देखा है कि आर्थिक और सामाजिक प्रगति में छोटे व्यवसायों की प्राथमिक भूमिका होती है।'' उनके उद्गारों में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विचारों की झलक थी जो मानते थे कि भारत के 40 करोड़ लोगों में से अधिकांश को बड़े उद्योगों की जगह छोटे और ग्रामोद्योगों में रोजगार मिल पाएगा।

EARTH SATELLITE which used sun-powered batteries in its equipment is shown to Mr. Morarji Desai by T. H. Miller, Exhibit Manager.

HOUSED in three huge geodesic domes at the Ferozeshah Kotla grounds on Mathura Road, New Delhi, the U.S. Small Industries Exhibit dramatically demonstrates "for the welfare of all" the opportunities in ness to the Indian economy is in its portability.

Besides the one-man business, there is a sheet metal shop demonstration with hand-operated equipment for

50 साल पहले

क्या कुछ हो रहा था अमेरिका और भारत में

ऋचा वर्मा

अमेरिकी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर जैक किल्बी ने 1958 की गर्मियों में इंटीग्रेटेड सर्किट का आविष्कार किया जो आज की उच्च प्रौद्योगिकी दुनिया की आधारशिला है। माइक्रोचिप का उपयोग पर्सनल कम्प्यूटरों से लेकर सेलफोनों तक में आंकड़ों को प्रोसेस करने और मेमोरी के लिए किया जाता है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सेना में कार्यरत जैक किल्बी भारत के उत्तर-पूर्व में तैनात रहे जहां वह रेडियो उपकरणों की मरम्मत करते थे। युद्ध के बाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई पूरी करके वह टेक्सस इंस्ट्रूमेंट्स में नौकरी करने लगे जहां उन्हें इंटीग्रेटेड सर्किट का क्रांतिकारी विचार सूझा और उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक आविष्कारों के 60 से अधिक पेटेंट हासिल किए। इंटीग्रेटेड सर्किट के लिए जैक किल्बी को अपनी मृत्यु से 5 साल पहले सन 2000 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला।

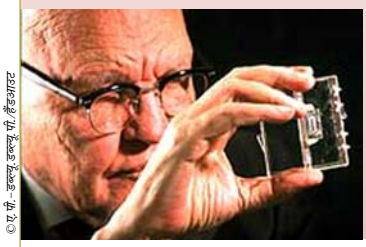
© ऐ. ग्रेग्स्ट्रम, नासा/ ऐ. ई.एस.एच.टी

अमेरिकी कांग्रेस द्वारा 30 जून को पारित अलास्का राज्य अधिनियम पर राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइज़नहावर ने 7 जुलाई 1958 को हस्ताक्षर किए और अलास्का अमेरिका का 49 वां राज्य बन गया। आइज़नहावर (बाएं) अगले दिन अलास्का के गवर्नर माइक स्टेपोविच के साथ एक अखबार के साथ दिख रहे हैं। अलास्का के अमेरिका का सब से बड़ा राज्य बनने की राह 1867 में ही खुल गई थी जब वित्तमंत्री विलियम सेवर्ड ने तत्कालीन राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन को 15 लाख 30 हज़ार वर्ग किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र को 72 लाख डॉलर में रूस से खरीदने को राजी कर लिया। इस सौदे के अलोचकों ने इस फिजूलखर्ची बताते हुए इसे ''सेवर्ड का बर्फखाना'' और ''जॉनसन का ध्रुवीय भालूबाड़ा'' तक कहा। 1890 के दशक के अंत में यहां सोने की खानें मिलीं और तब एक अमेरिकी सम्पत्ति के रूप में इसका मूल्य और साथ ही इसकी जनसंख्या भी बढ़ी।

© ऐ. ग्रेग्स्ट्रम, नासा

© ऐ. ग्रेग्स्ट्रम, नासा/ ऐ. ई.एस.एच.टी

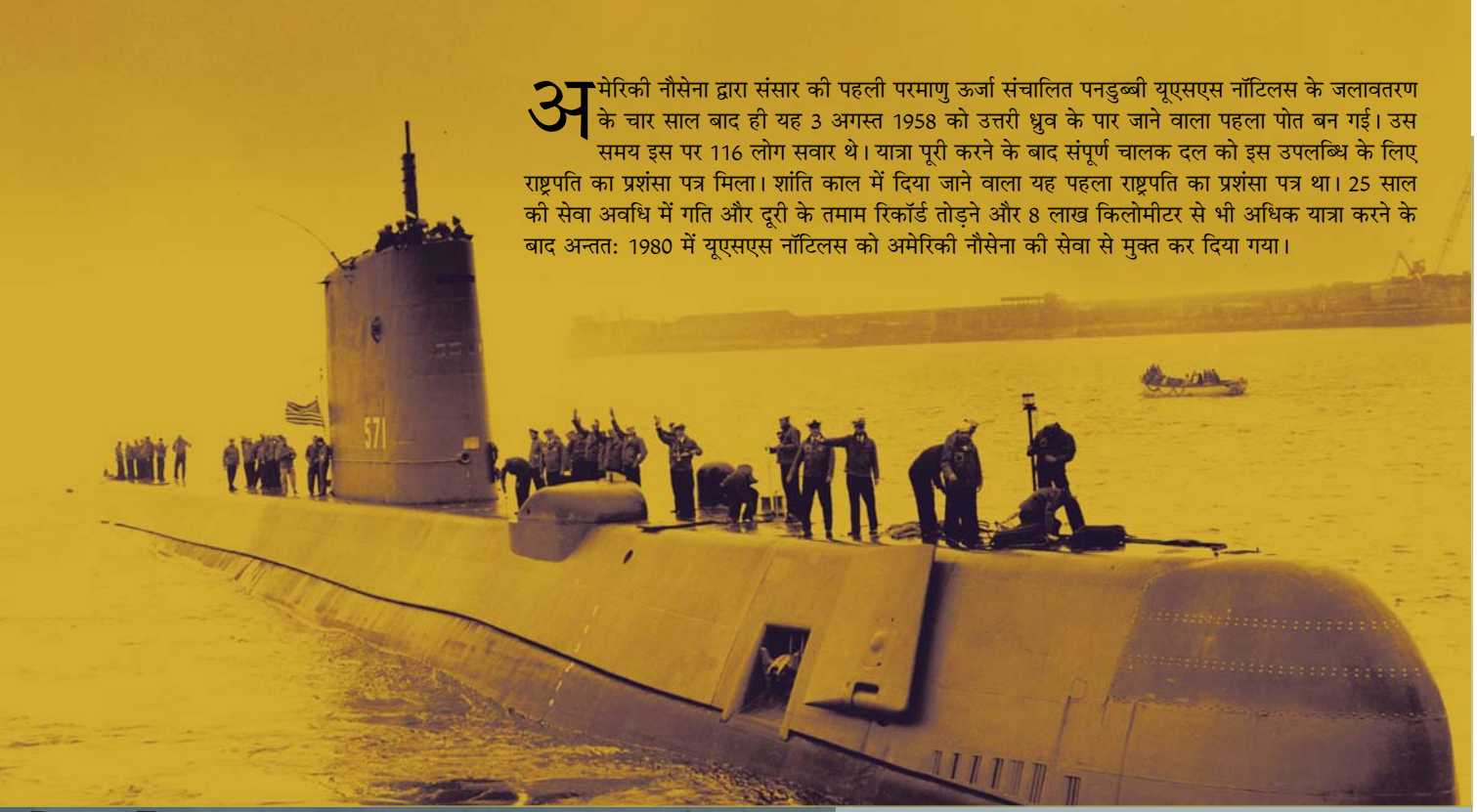

यू. पी. कैमरा कैमरा - यू. पी. ©

अमेरिकी नौसेना द्वारा संसार की पहली परमाणु ऊर्जा संचालित पनडुब्बी यूएसएस नॉटिलस के जलावतरण के चार साल बाद ही यह 3 अगस्त 1958 को उत्तरी ध्रुव के पार जाने वाला पहला पोत बन गई। उस समय इस पर 116 लोग सवार थे। यात्रा पूरी करने के बाद संपूर्ण चालक दल को इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति का प्रशंसा पत्र मिला। शांति काल में दिया जाने वाला यह पहला राष्ट्रपति का प्रशंसा पत्र था। 25 साल की सेवा अवधि में गति और दूरी के तमाम रिकॉर्ड तोड़ने और 8 लाख किलोमीटर से भी अधिक यात्रा करने के बाद अन्ततः 1980 में यूएसएस नॉटिलस को अमेरिकी नौसेना की सेवा से मुक्त कर दिया गया।

Drama Troupe From U.S. Visits India

WHEN the curtain rises next week on Eugene O'Neill's *Beyond the Horizon*, theatre-goers in New Delhi will be looking at the first American amateur dramatic troupe ever to visit India.

The players are the Wayne State University team from Detroit, and the O'Neill Pulitzer Prize-winning opener on March 4 at Fine Arts Theatre will be followed the next night by the Sophocles *Oedipus Rex*. The programme for March 6 will consist of three one-act plays: Moliere's *The Affected Young Ladies*, O'Neill's *Where the Cross Is Made*, and *Pullman Car Hiawatha*, by Thornton Wilder.

Arriving last Friday, the youthful group, comprising 13 students and three faculty members, has had a busy schedule. The visitors have witnessed the performances of Marius Goring's troupe, a professional British theatre group currently performing here, attended a reception accorded by Bharatiya Natya Sangh, and watched a local amateur group rehearse its

U.S. Prais Journ

By H.

ONE of the ments a is to intervi man. The t difficult if tw together, bo editors.

As I set ou fine morning checked thro was to adopt case happen editor of the Madison, W Isaacs, mana ville (Kentu here only last to India.

I suppose y cal American willing to ta nice change of the pencil.

Plunging ri the press can American rel that accurate press on new

पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता नाटकों के मंचन से लेकर स्थानीय कलाकारों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने तक, मार्च-अप्रैल 1958 में भारत यात्रा पर आए पहले अमेरिकी नाट्यदल का कार्यक्रम बहुत व्यस्त रहा। इस शौकिया नाट्यदल में डेट्रॉइट, मिशिगन स्थित वेन स्टेट यूनिवर्सिटी के तीन अध्यापक और 13 छात्र थे। मंचित नाटकों में अमेरिकी नाटककार थॉर्नटन वाइल्डर का नाटक ''पुलमैन कार हायावाथा'' भी शामिल था।

वर्ष 1958 में फ़ुलब्राइट अध्ययनवृत्ति पर भारत आए और मद्रास के वाइएमसीए कॉलेज में शारीरिक शिक्षा के व्याख्याता के रूप में कार्य कर रहे अमेरिकी मूर्तिकार मैक एम. ग्रीन ने भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ दो बैठकों के दौरान उनकी दो आवक्ष प्रतिमाएं गढ़ीं। कांसे की बनी एक प्रतिमा अक्टूबर 1958 में जवाहरलाल नेहरू को भेंट करते हुए राजदूत एल्सवर्थ बंकर ने कहा, ''मूर्तिकार द्वारा इस प्रतिमा में निवेशित श्रम और प्रतिभा और उनके कलात्मक प्रयास में आप द्वारा ली गई रुचि हमारे देशों की मैत्री और सद्भाव प्रदर्शित करते हैं।'' ग्रेनाइट की बनी दूसरी प्रतिमा फ़ुलब्राइट शैक्षणिक आदान-प्रदान के जनक सेनेटर जे. विलियम फ़ुलब्राइट (दाएं) के नई दिल्ली आगमन पर राजदूत एल्सवर्थ बंकर (बाएं) और मैक एम. ग्रीन (बीच) में ने उन्हें भेंट की।

यू. पी. कैमरा कैमरा - यू. पी. ©

अमेरिका के पहले उपग्रह एक्सप्लोरर 1 को 31 जनवरी 1958 को फ़्लोरिडा के केप कैनवेरल से अंतरिक्ष में भेजे गए एक रॉकेट ने पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया। 13.9 किलोग्राम के एक्सप्लोरर 1 का निर्माण और डिज़ाइन पासाडेना, कैलिफ़ोर्निया स्थित कैलिफ़ोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी की जेट प्रपल्शन लेबोरेटॅरी ने किया था।